बृहस्पतिवार
22 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

जीभ का रंग खोलता है सेहत के कई राज

पृष्ठ 5

क्राइम सीरीज पोचर का 23 फरवरी को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 28
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

निराशा के समान दूसरा पाप नहीं। आशा सर्वोत्कृष्ट प्रकाश है तो निराशा घोर अंधकार है।
— रश्मिमाला

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्तराखंड की जेलों में क्षमता से दोगुना कैदी है बंद

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड जैसे शान्त माने जाने वाले राज्य में भी उत्तराखंड की 10 सामान्य जेलों में उसकी क्षमता 3461 से लगभग दुगने 6603 कैदी बंद है। इसके अतिरिक्त सम्पूर्णानन्द शिविर सितारगंज (खुली जेल) में 48 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत कारागार मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने महानिरीक्षक कारागार (कारागार मुख्यालय) उत्तराखंड

से उत्तराखंड राज्य की जेलो में बंदियों की क्षमता तथा वर्तमान में बंद कैदियों की संख्या के सम्बन्ध में सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में मुख्यालय कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग उत्तराखंड के लोक सूचना अधिकारी/प्रशानिक अधिकारी मनोज खोलिया ने अपने पत्रांक 380 दिनांक 15 फरवरी 2024 से जेलों की क्षमता तथा बंदियों का विवरण उपलब्ध कराया गया है। उपलब्ध सूचना के अनुसार सम्पूर्णानन्द शिविर जेल सितारगंज (खुली जेल) तथा जिला कारागार चमोली के

❑सामान्य जेलों में 3461 के स्थान पर 6603 हैं कैदी

अतिरिक्त सभी जेलों में क्षमता से अधिक कैदी बंद है। उपलब्ध सूचना के अनुसार क्षमता से सर्वाधिक अधिक 347 प्रतिशत कैदी 102 क्षमता वाली जिला कारागार अल्मोड़ा में 354 कैदी है। दूसरे स्थान पर क्षमता के 271 प्रतिशत कैदी 555 क्षमता वाली उपकारागार हल्द्वानी में 1502 कैदी है। इसमें तीसरे स्थान पर क्षमता के 258 प्रतिशत कैदी 580 क्षमता वाली जिला कारागार देहरादून में 1499 कैदी बंद है। चौथे स्थान पर क्षमता के 239 प्रतिशत कैदी 71 क्षमता वाली जिला कारागार नैनीताल में 170 कैदी बंद है। पांचवें स्थान पर क्षमता के 180 प्रतिशत कैदी 244 क्षमता वाली रूड़की उपकारागार में 439 कैदी बंद है। छठे स्थान पर क्षमता के 151 प्रतिशत कैदी 888 क्षमता वाली जिला कारागार हरिद्वार में 1340 कैदी बंद है। सातवें

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सत्ता में आते ही नौकरियों की ठेका प्रथा बंद होगी: अलका

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड दौरे पर आई कांग्रेस नेता अलका लाम्बा का कहना है कि कांग्रेस 2024 में सत्ता में आने के 100 दिन के अंदर ही ठेके पर सरकारी नौकरियां देने की प्रथा को बंद कर सेना में युवाओं को स्थाई नौकरियां देगी और किसानों के कर्ज माफ किए जाएंगे। महिलाओं को न्याय दिलाया जाएगा।

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लम्बा ने आज यह बात कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में

❑किसानों के कर्ज माफ करेगी कांग्रेस, सामाजिक न्याय के मुद्दे पर लड़ेंगे चुनाव

आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हम 2024 का चुनाव सामाजिक न्याय के मुद्दे पर लड़ रहे हैं। हर वर्ग के लोगों को उनकी भागीदारी के हिसाब से सत्ता में भागीदारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं को रोजगार देने के नाम पर अग्निवीर योजना लाकर जो ठेकेदारी की प्रथा शुरू की है कांग्रेस इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने की 100 दिन के अंदर इसे समाप्त करेंगे और सेना में खाली पड़े 60 हजार पदों को स्थाई नौकरियां देकर भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आते ही किसानों का कर्ज माफ करेगी। उन्होंने वर्तमान समय में सरकार पर किसानों का उत्पीड़न करने और उनके आंदोलन को दबाने का आरोप भी लगाया।

अलका लाम्बा का कहना है कि सरकार ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का बिल पास कर दिया लेकिन उन्हें आरक्षण नहीं मिला है। कांग्रेस सत्ता में आते ही महिलाओं को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

श्री हेमकुंट साहिब जी की यात्रा 25 मई से शुरू होगी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी से गुरुवार को सचिवालय में गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने भेंट की। नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने

मुख्य सचिव को जानकारी दी कि गुरुद्वारा ट्रस्ट द्वारा 25 मई 2024 को तीर्थ स्थल श्री हेमकुंट साहिब जी की यात्रा का शुभारंभ तथा 10 अक्टूबर 2024 को कपाट बंद किए जाने की तिथि घोषित कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा इस पर सहमति दी गई है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि प्रशासन द्वारा इस दिशा में पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर-दफ्तर पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने गुरुवार को पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी की। इसके अलावा केंद्रीय एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर में भी 30 ठिकानों पर छापेमारी की है।

यह मामला किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर प्रस्तावित किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए 2019 में 2200 करोड़ रुपये के सिविल कार्य अनुबंध देने में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। सत्यपाल मलिक पर आरोप है कि जब वह राज्य के राज्यपाल थे तो उन्होंने परियोजना से

जुड़ी दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग की थी। उस समय जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश नहीं बना था। आपको बता दें कि वह 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे।

पिछले महीने भी केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इसी मामले में चल रही जांच के संबंध में दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में करीब 8 ठिकानों पर छापेमारी की थी। पिछले महीने जब सीबीआई ने छापेमारी की थी तो 21 लाख रुपये, डिजिटल डिवाइस, कंप्यूटर और संपत्ति के दस्तावेज बरामद किए थे।

केंद्रीय एजेंसी ने चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष नवीन कुमार चौधरी, पूर्व अधिकारी एमएस बहू, एमके मित्तल और अरुण कुमार मिश्रा और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि किरू जलविद्युत परियोजना से संबंधित सिविल कार्यों के आवंटन में ई-टेंडरिंग संबंधी दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

नेताओं को पहाड़ से अलगाव क्यों?

यूं तो इस चुनावी दौर में हर नेता की हर एक बात एक चुनावी मुद्दा ही कहीं जा सकती है। लेकिन गैरसैंण राजधानी कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिसे लेकर भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच कोई वाद विवाद हो, राज्य गठन से लेकर अब तक इस मुद्दे पर सिर्फ चुनावी राजनीति ही हावी रही है। उत्तराखंड सरकार द्वारा अपना आगामी बजट सत्र जो 26 फरवरी से दून में आयोजित किया जा रहा है उसे लेकर अब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच विवाद जारी है। अभी भाजपा के कुछ विधायकों द्वारा शीतकालीन समस्या का हवाला देते हुए एक पत्र स्पीकर ऋतु खंडूरी को लिखा गया था जिसमें बजट सत्र का आयोजन देहरादून में कराने की अपील की गई थी। धामी सरकार ने इस अपील को सहर्ष स्वीकार कर लिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि जिन विधायकों और नेताओं को गैरसैंण में सर्दी लगती है उन्हें उत्तराखंड छोड़ कर चले जाना चाहिए। निसंदेह यह एक कड़वा सच है कि राज्य गठन के बाद से सूबे के नेताओं का पहाड़ से अलगाव बढ़ा है और वह अब पहाड़ की राजधानी पहाड़ में ही होने की हिमायत करने वाले यह नेता गर्मी में भी पहाड़ (गैरसैंण) पर जाने से कतराते दिख रहे हैं। इन विधायकों द्वारा पत्र लिखकर यह अपील करना कि बजट सत्र का आयोजन देहरादून में ही कराया जाए इसका एक उदाहरण है। इन नेताओं की आराम तलबी का आलम यह है कि वह गैरसैंण तक आने जाने की जहमत तक उठाने से बच रहे हैं। इन दिनों मौसम भी इतना खराब नहीं है कि गैरसैंण में बजट सत्र का आयोजन न कराया जा सके। भाजपा विधायकों को अगर पहाड़ से इतना ही अलगाव हो चुका है तो उन्हें गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करने की भी क्या जरूरत थी। लेकिन पहाड़ की इस राजनीति में गैरसैंण राजधानी को भी एक मुद्दा बनाए रखना जरूरी है। अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने एक बड़ा बयान दिया है कि वह 27 फरवरी से गैरसैंण में एक सांकेतिक विधान सभा सत्र का आयोजन करेंगे जिसमें आम जनता के साथ राज्य में बेरोजगारी, महिला सुरक्षा व कानून व्यवस्था जैसे तमाम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह कहना गलत नहीं होगा कांग्रेस का यह चुनाव प्रचार का तरीका भले ही नया हो लेकिन है बड़ा ही नायाब। कांग्रेसी नेता इस सांकेतिक या छद्म सत्र के जरिए जनता के सामने अपनी बात रखेंगे। यह देखना होगा कि इस सत्र में जन उपस्थित कितनी रहती है लेकिन तरीका बहुत ही बेहतरीन है। यह कारण है कि अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि इस तरह से छद्म सत्र का आयोजन कर कांग्रेस लोकतंत्र का अपमान कर रही है। कांग्रेस के प्रतीकात्मक सत्र के आयोजन से लोकतंत्र का क्या अपमान होगा या इसमें ऐसी क्या बात है कि इसे लोकतंत्र का वह अपमान बता रहे हैं इसे बीजेपी अध्यक्ष ही बेहतर समझ सकते हैं। हमें तो सिर्फ इतना समझ आ रहा है कि गैरसैंण के नाम पर बीते दो दशकों से राजनीति करने वाले इन नेताओं का पहाड़ और राजधानी गैरसैंण से कुछ लेना देना नहीं रह गया है। वह खुद पहाड़ के प्रति अलगाव के शिकार हो चुके हैं और उन्हें अब दून ही सबसे ज्यादा भाता है।

चार सूत्री मांगों को लेकर बीएड प्रशिक्षित बेरोजगारों ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर बीएड प्रशिक्षित बेरोजगा संघ ने सचिवालय कूच किया जहां पर उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से शिक्षा मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बीएड प्रशिक्षित बेरोगार परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए जहां से उन्होंने उत्तराखण्ड बीएड प्रशिक्षित बेरोगार संघ के बैनर तले सचिवालय के लिए कूच किया। जब वह सचिवालय के करीब पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। जिसके बाद वह वहीं धरने पर बैठ गये। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से शिक्षा मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षक भर्ती में उच्चतम न्यायालय द्वारा बीएड एवं एनआईओएस डीएलएड को पूर्णत: बाहर कर दिया गया है अत: उत्तराखण्ड शासन-प्रशासन द्वारा शिक्षक भर्ती नियमावली में यथाशीघ्र संशोधन किया जाये। उन्होंने कहा कि 21 फरवरी को कैबिनेट बैठक में कला विषय से सम्बन्धित शिक्षक भर्ती नियमावली में संशोधन कर बीएड को अनिवार्य किया गया है। अत: नियमावली में विद्यमान विसंगतियों का शीघा अति शीघ्र निराकरण, जिसके कारण लम्बे समय से आयोग में लंबित गतिमान सहायक अध्यापक (एनटी) 1572 पदो पर भर्ती का विज्ञापन आचार संहिता लगने से पहले यथाशीघ्र जारी किया जाये।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड विशेष अधीनस्थ शिक्षा (प्रवक्ता सवर्ग) में सीधे भर्ती के अधियाचित 613 रिक्त पदों पर आयोग में लम्बित अधियाचन में विद्यमान दिव्यांगजन आरक्षण की विसंगतियों का शीघ्र अति शीघ्र निराकरण एवं यथाशीघ्र विज्ञापन जारी किया जाये। उन्होंने कहा कि प्राविधि शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय पॉलिटेन्कि प्रवक्ता के रिक्त 437 पदों पर आयोग में लम्बित अधियाचन में विद्यमान दिव्यांगजन आरक्षण व अन्य विसंगतियों का शीघ्र निराकरण एवं यथाशीघ्र विज्ञापन जारी किया जाये।

लोडर चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने बाजार में खडा लोडर चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीव नगर निरंजनपुर निवासी तौफीक अहमद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना लोडिंग वाहन विशाल मैगामार्ट के पास खडा किया था। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां पहुंचा तो उसको लोडर अपने स्थान से गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ महिला सहित तीन गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट कोतवाली पुलिस ने पंचायती भवन के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने थोडी दूर पीछा कर उसको पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम पवित्रा देवी उर्फ इन्द्रा पत्नी चन्द्र बहादुर निवासी पंडितवाडी बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने लेबर कालोनी तिराहे के पास से एक युवक को 52 पव्वे शराब के साथ तथा आशुतोष नगर से एक को 50 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिन्होंने अपने नाम अरविन्द बिष्ट पुत्र जगदीश बिष्ट निवासी विस्थापित कालोनी, व पवन जाटव पुत्र देवी सिंह निवासी जाटव बस्ती रेलवे रोड बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

समिति व दिशा ने चुनाव सुधार के लिए निर्वाचन आयोग को भेजे 6 प्रस्ताव

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति व दिशा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ने चुनाव सुधार के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर छह प्रस्ताव भेजे हैं। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति और दिशा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी भारत सरकार को डाक द्वारा ज्ञापन प्रेषित कर कुछ प्रस्ताव प्रेषित किए। चुनाव सुधार हेतु उम्मीदवार द्वारा चुनाव लड़ने हेतु जमानत राशि लोकसभा हेतु 10 लाख व विधानसभा हेतु 5 लाख रखी जाए तथा प्रस्तावकों की संख्या वर्तमान से दस गुना बढ़ाई जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि उम्मीदवार की अधिकतम आयु 65 वर्षों हो तथा दो बार से अधिक चुनाव लड़ने पर रोक लगे। उन्होंने कहा कि किसी भी आरोपी/मुकदमा दर्ज उम्मीदवार पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध हो तथा उम्मीदवार की शैक्षिक योग्यता न्यूनतम स्नातक होनी चाहिए। उन्होंने निर्वाचन आयोग से आशा कि है कि वह इन मांगों पर कार्यवाही कर संस्था को भी अवगत कराएंगे। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुकरेती, युवा नेता विपुल नौटियाल, दिशा संस्था के सचिव सुशील विरमानी, जिला अध्यक्ष व उत्तराखंड आंदोलनकारी सयुक्त परिषद के सुरेश कुमार आदि शामिल रहे।

अत्यं मृजन्ति कलशे दश क्षिप: प्र विप्राणां मतयो वाच ईरते।
पवमाना अभ्यर्षन्ति सुष्टुतिमेन्द्रं विशन्ति मदिरास इन्दव:।।
(ऋग्वेद ९-८५-७)

इंद्रियां, मन और दस प्राण दिव्यता की धारा को आत्मा तक पहुंचाते हैं। जिससे परमात्मा का साक्षात्कार पवित्र आत्मा द्वारा होता है। दिव्यता शरीर में व्याप्त होकर शक्ति और आनंद प्रदान करती है।

डॉ. विपुल कंडवाल व प्राची कंडवाल को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। देवभूमि मानव संसाधन विकास ट्रस्ट द्वारा करोना काल में उनके द्वारा की गयी सेवा कार्य को लेकर डॉ. विपुल कंडवाल व प्राची कंडवाल को सम्मानित किया गया।

आज यहां देवभूमि मानव संसाधन विकास ट्रस्ट के द्वारा सादे समारोह में आरोग्यधाम अस्पताल को मरीजों के लिए गर्म कम्बल भेंट किये व अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉक्टर विपुल कंडवाल व अस्पताल की निदेशक प्राची कंडवाल को कोरोना काल व डेंगू काल में मरीजों के उपचार व सेवा के लिए सम्मानित किया। देवभूमि मानव संसाधन विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने पुष्प गुच्छ दे कर डॉक्टर विपुल कंडवाल व प्राची कंडवाल को सम्मानित किया व ट्रस्ट की ओर से अस्पताल के मरीजों के लिए 60 गर्म कम्बल भेंट किये। इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ को बधाई देते हुए धस्माना ने कहा कि आरोग्यधाम वो अस्पताल है जिसमें कोरोनाकाल में जिस भी मरीज को उन्होंने भेजा उसे डॉक्टर विपुल कंडवाल ने न केवल भर्ती किया बल्कि उसका उपचार कर उसे ठीक करके ही डिस्चार्ज किया। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में उनके द्वारा आरोग्यधाम में भेजे गए साढ़े तीन सौ मरीजों में से केवल दो लोगों की मृत्यु हुई बाकी सभी मरीज ठीक हो कर सकुशल घर गए। धस्माना ने कहा कि बीते वर्ष डेंगू के प्रकोप के दौरान भी देहरादून में जब सारे अस्पताल मरीजों से भरे थे व कहीं बिस्तर नहीं मिल रहे थे तब कठिन परिस्थितियों में आरोग्यधाम अस्पताल ने अपनी क्षमता से अधिक लोगों को अस्पताल में उपचार दे कर ठीक किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर विपुल कंडवाल व उनकी धर्मपत्नी प्राची कंडवाल की सफलता के पीछे उनकी मेहनत लग्न व उनका सहयोगी स्टाफ का सहयोग मुख्य है।

इस अवसर पर डॉक्टर विपुल कंडवाल ने देवभूमि मानव संसाधन विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना व सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका पेशा सेवा करने का ही है लेकिन इस प्रकार के उत्साहवर्धन से उनको व उनके सभी सहयोगी स्टाफ को प्रेरणा मिलती है व और अधिक सेवा के लिए कार्य करने का उत्साह मन में आता है। इस अवसर पर अस्पताल की निदेशक प्राची कंडवाल, पूर्व पार्षद ललित भद्री, देवभूमि ट्रस्ट के सदस्य अनुज दत्त शर्मा, आदर्श सूद व प्रवीण कश्यप तथा अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहे।

कांग्रेस में जिन्हे सब कुछ मिला वे छोड़ रहे!

आमतौर पर किसी नेता के पार्टी से नाराजगी का कारण यह होता है कि पार्टी ने उसे कुछ नहीं दिया। लेकिन कांग्रेस में इसका उलटा होता है। कांग्रेस में जिन लोगों को सब कुछ मिलता है वे ही नाराज होते हैं। पिछले एक दशक में यानी जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनी है तब से कांग्रेस छोडने़ वाले नेताओं की सूची पर नजर डालेंगे तो दिखाई देगा कि पार्टी ने जिन लोगों को मुख्यमंत्री बनाया, केंद्र में मंत्री बनाया और संगठन में बड़े पद दिए उन लोगों ने ही पार्टी छोड़ी। इनमें अनेक लोग ऐसे हैं, जो योग्य नहीं थे लेकिन पार्टी नेतृत्व के साथ नजदीकी या परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि या विदेश में पढ़ाई लिखाई की वजह से ऊंचे पदों पर आसीन हुए और जब कांग्रेस कमजोर हुई तो पार्टी छोड़ कर मजबूत पार्टी की ओर चले गए, जहां से कुछ हासिल हो सकता है। पिछले एक दशक में कांग्रेस के एक दर्जन पूर्व मुख्यमंत्रियों ने पार्टी छोड़ी है। सोचें, राजनीति में प्रधानमंत्री के बाद दूसरा सबसे अहम पद मुख्यमंत्री का होता है और कांग्रेस ने जिन योग्य या अयोग्य लोगों को मुख्यमंत्री बनाया उनमें से 1० ने पार्टी छोड़ दी। ताजा मामला अशोक चव्हाण का है, जिनको कांग्रेस ने दो बार मुख्यमंत्री बना कर देश की वित्तीय राजधानी यानी मुंबई में बैठाया। वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे और बाद में प्रदेश अध्यक्ष भी हुए लेकिन अब वे भाजपा में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र के एक और पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे इन दिनों भाजपा में हैं। हालांकि उनको शिव सेना ने सीएम बनाया था। लेकिन जब वे शिव सेना छोड़ कर कांग्रेस मे आए तो पार्टी ने उनको कई बार मंत्री बनाया और विधान परिषद में भी भेजा। पंजाब के मुख्यमंत्री रहे कैप्टेन अमरिंदर सिंह भी कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए हैं। इस सदी के 24 बरसों में कांग्रेस को दो बार पंजाब में सरकार बनाने का मौका मिला और दोनों बार कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। पहली बार वे पूरे पांच साल रहे। उसके 1० साल बाद फिर कांग्रेस को मौका मिला तो वे सीएम बने और चार साल से ज्यादा समय तक रहे। लेकिन सीएम से हटाने के बाद ही वे पार्टी से अलग हो गए और फिर भाजपा में चले गए। इसी तरह कांग्रेस को दशकों बाद जम्मू कश्मीर में अपना मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला तो उसने गुलाम नबी आजाद को सीएम बनाया। वे अनेक बार केंद्र में मंत्री रहे। जहां तहां से राज्यसभा और लोकसभा लेकर संसद में पहुंचते रहे। पार्टी के बड़े पदाधिकारी रहे लेकिन कांग्रेस के कमजोर होते ही पाला बदल लिया। राहुल गांधी और पूरे नेतृत्व पर तरह तरह के आरोप लगाते हुए कांग्रेस छोड़ गए। कांग्रेस ने जिन नेताओं को मुख्यमंत्री और केंद्र में मंत्री बना कर हमेशा बड़े पद दिए उनमें एक एसएम कृष्णा भी हैं। वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे और केंद्र में विदेश मंत्री भी रहे। लेकिन कांग्रेस कमजोर हुआ तो वे भी बुढ़ापे में भाजपा में चले गए। विजय बहुगुणा को तो कांग्रेस ने सिर्फ इस आधार पर उत्तराखंड का मुख्यमंत्री बनाया था कि वे हेमवती नंदन बहुगुणा के बेटे थे और कोई जमीनी आधार नहीं रखते थे। लेकिन बाद वे भी पूरे परिवार के साथ भाजपा में चले गए। वाईएसआर रेड्डी जैसे दिग्गज के निधन के बाद कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में जो प्रयोग किए उसमें एक प्रयोग किरण रेड्डी को सीएम बनाने का भी था। लेकिन वे भी बाद में पार्टी छोड़ गए। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू को भी कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बनाया था। गोवा के मुख्यमंत्री रहे तीन नेता- लुइजिन्हो फ्लेरियो, दिगंबर कामत और रवि नाईक कांग्रेस छोड़ कर जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने अजित जोगी को पहला मुख्यमंत्री बनाया था और वे भी बाद में पार्टी छोड़ कर चले गए थे। केंद्रीय मंत्री रहे नेताओं की सूची तो और भी लंबी है। एक पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह अभी भाजपा की टिकट पर राज्यसभा भेजे जा रहे हैं।(आरएनएस)

लोकतंत्र के लिए अहम

इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना शुरू से विवादास्पद थी। जो अनुभव रहा, उससे इसके खिलाफ आरंभ ही कही गई बातें लगातार ठोस साबित होती गईं। इनके बीच यह तर्क महत्त्वपूर्ण था कि असीमित और गुप्त राजनीतिक चंदा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के तकाजे के खिलाफ है। इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना को रद्द कर सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में बड़ा योगदान किया है। यह योजना शुरू से विवादास्पद थी। जो अनुभव रहा, उससे इसके खिलाफ आरंभ ही कही गई बातें लगातार ठोस साबित होती गईं। इनके बीच दो तर्क महत्त्वपूर्ण थे- पहला यह कि असीमित और गुप्त राजनीतिक चंदा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के तकाजे के खिलाफ है। दूसरी दलील यह थी कि इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना में शामिल प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत मिले सूचना के अधिकार का उल्लंघन हैं। इन दोनों ही तर्कों को अब सुप्रीम कोर्ट ने वाजिब ठहराया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि गुप्त चंदे का प्रावधान सूचना के अधिकार के खिलाफ है। इस प्रावधान के तहत एक और आपत्तिजनक बात यह रही है कि चंदा देने वाली कंपनियों की पहचान आम जन से तो छिपी रहती है, लेकिन सरकार को यह सब मालूम रहता है कि कौन किसको कितना चंदा दे रहा है। इससे इस आरोप को बल मिला कि कंपनियों के लिए विपक्षी दलों को चंदा देना जोखिम भरा हो गया है। तमाम उपलब्ध आंकड़ों से इस बात की लगातार पुष्टि हुई है कि इलेक्ट्रॉल बॉन्ड्स के तहत दिए गए चंदे का अधिकांश हिस्सा सत्ताधारी दल को गया है। कोर्ट ने उचित ही यह कहा कि राजनीति चंदे के जरिए दाताओं की सत्ता के हलकों तक पहुंच बनती है। इस पहुंच से नीति निर्माण के प्रभावित होने का अंदेशा पैदा हो जाता है। सार्वजनिक दायरे में ये धारणा भी गहराई है कि वर्तमान सरकार और कुछ कॉरपोरेट घरानों के बीच ऐसे अंतर्संबंध बन गए हैं, जिनसे देश की महत्त्वपूर्ण नीतियां प्रभावित हो रही हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का इस योजना को संचालित करने वाले भारतीय स्टेट बैंक को दिया गया यह आदेश अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि वह इस योजना के तहत पार्टियों को मिले चंदे की पूरी जानकारी निर्वाचन आयोग को दे। आयोग को उसे अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा। इस तरह अब उम्मीद है कि इस योजना का पूरा सच सामने आ जाएगा।(आरएनएस)

27 फरवरी को गैरसैंण में आयोजित होगी प्रतीकात्मक विधानसभा: माहरा

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 2024 को राज्य की प्रस्तावित राजधानी गैरसैंण में जन भागीदारी से प्रतीकात्मक विधानसभा आयोजित करने का निर्णय लिया है।

इसी परिपेक्ष में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने दिनांक 27 फरवरी, 2024 को राज्य की प्रस्तावित राजधानी गैरसैण में प्रतीकात्मक विधानसभा आयोजित करने की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य आन्दोलनकारियों एवं राज्य निर्माण में शहीद हुए आन्दोलनकारियों की गैरसैण को राजधानी घोषित करने की प्रमुख मांग थी। कांग्रेस ने जन भावना और आंदोलनकारियों की मांग का सम्मान करते हुए तथा पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा गैरसैण मे विधानसभा भवन एवं अन्य ढांचे का निर्माण करते हुए विधानसभा का सत्र भी आयोजित किया गया था और जब वहां विधानसभा का भवन नहीं बना था तब टेंट में कैबिनेट की बैठक भी आयोजित की और टेंट में ही विधानसभा का सत्र भी कांग्रेस की सरकार ने आयोजित करने का काम किया था।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आन्दोलन की भावना को कुचलते हुए विधानसभा का दिव्य भव्य भवन होने की बावजूद भी वहां राजधानी घोषित करने और विधानसभा का सत्र आयोजित करने से परहेज किया है इसका क्या कारण है? पर्वतीय राज्य की राजधानी में अगर फरवरी मार्च में वहां सत्र आयोजित नहीं होगा तो कब होगा, यह सरकार को बताना चाहिए । गैरसैण में जन भागीदारी से प्रतीकात्मक विधानसभा का आयोजन कर और जन मुद्दों पर चर्चा कर कांग्रेस प्रदेश सरकार को सीधा-सीधा संदेश देना चाहती है कि गैरसैंण में बिना बहाने बाजी और किसी कठिनाई के विधानसभा का सत्र आयोजित किया जा सकता है अगर मंशा और इच्छा शक्ति वहां पर सत्र अयोजित करने की हो।

यह जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के आह्वान पर दिनांक 27 फरवरी 2024 को गैरसैण में आयोजित प्रतीकात्मक विधानसभा में राज्यहित एवं जनहित से जुडे मुद्दों के साथ-साथ भू-कानून, अंकिता भण्डारी हत्याकांड, पलायन, राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, महिला अपराध , बिगडती कानून व्यवस्था, चरमराती स्वास्थ्य सेवायें, भर्ती घोटाले, अग्निवीर , उपनल कर्मचारी की मांग और कोविड कर्मचारियों की समस्या, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों , जोशीमठ आपदा, रैणी आपदा, सिलक्यारा टनल दुर्घटना व सरकारी विभागों मे बढ़ते भारी भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर जनता का सदन लगाकर चर्चा की जायेगी।

करन माहरा ने कहा कि गैरसैण में आयोजित होने वाली प्रतीकात्मक विधानसभा में राज्य की आम जनता से प्रतिभाग करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा वर्तमान विधानसभा सत्र गैरसैण के स्थान पर देहरादून में आयोजित करने की घोषणा की गई है तथा विधानसभा सत्र की अवधि भी सीमित दिन की अल्प अवधि रखी गई है जिसमें प्रश्नकाल बहुत कम समय का रखा गया है जिसमें जनहित के मुद्दों पर चर्चा होना संभव नहीं है इसीलिए प्रतीकात्मक विधानसभा में जनहित के सभी मुद्दों पर फैसले लिए जाएंगे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार पुलिस ने टी स्टेट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल पुत्र शंकर साहनी निवासी शास्त्रीनगर खाला बताया। वहीं सेलाकुई थाना पुलिस ने शिवनगर बस्ती नदी के पास से एक युवक को 96 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम रंजन कुमार पुत्र ब्रहमदेव निवासी निगम रोड बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमें दर्ज कर लिये हैं।

आटा चक्की में चोरी करने वाला गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने आटा चक्की से हजारों रूपये की नगदी चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की नगदी बरामद कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पछमीवाला निवासी श्रीमती रजनी बाला ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी क्षेत्र में आटा चक्की है। आज किसी ने उसकी आटा चक्की से 9240 रूपये चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगने पर पुलिस ने एक युवक को चोरी के रूपयों के साथ गिरफ्तार कर लिया। जिसने अपना नाम राहुल कश्यप पुत्र गोपाल कश्यप निवासी जीवनगढ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गांजे के साथ दो लोग गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान माजरी चौक पर मोटरसाईकिल सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 200 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम संजय कुमार पुत्र राम प्रसाद निवासी घिसरपडी मिल रोड डोईवाला व नागेन्द्र पुत्र हरिशंकर निवासी केशवपुरी बस्ती बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जमीन के नाम पर 24 लाख की ठगी करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 24 लाख 50 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जयपुर राजस्थान निवासी अभिनव गुप्ता ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह काफी समय से देहरादून के आस-पास भूमि क्रय करने हेतू भूमि खरीदने का इच्छुक रहा, उसके परिचित अमित सिंह पुत्र कृपाल सिंह, निवासी दुर्गा विहार, कांवली, व अनुराग गुप्ता पुत्र कमल गुप्ता, निवासी संगम विहार, जीएमएस रोड, ने कहा कि उनके पास एक भूमि ग्राम पौन्धा, परगना पछवादून, तहसील विकासनगर, में है जो कि उनके द्वारा पारस जैन प्रोडक्शन द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि श्याम भारद्वाज पुत्र राजपाल शर्मा, निवासी राजू पार्क, नियर हनुमान मन्दिर देवली रोड खानपुर साउथ दिल्ली से सम्पादित एक बैनामा 11 मार्च 2019 से क्रय की है, जो कि सब-रजिस्ट्रार कार्यालय विकासनगर, देहरादून में दर्ज है, तथा वे उक्त भूमि को बेचने हेतू इच्छुक है। बैमाने के गवाह रमेश प्रसाद पुत्र पीताम्बर दत्त निवासी रुद्रप्रयाग एवं संजय कुमार पुत्र ज्योति राम निवासी ग्राम जस्सोवाला तहसील विकासनगर का नाम अंकित है। जिस पर वह एंव अमित कुमार आदि के मध्य उक्त भूमि स्थित मौजा-पौन्धा, तहसील विकासनगर, के सम्बन्ध में एक पंजीकृत विक्रय अनुबन्ध पत्र 03 जुलाई 2019 सम्पादित किया गया। उक्त भूमि के सम्बन्ध में उसके व अमित कुमार आदि के मध्य कुल सौदा 25 लाख रूपये में तय हुआ। जिसमें से उसके द्वारा 24 लाख 50 हजार रूपये अदा कर दिये है। उसको कुछ समय पूर्व ही ज्ञात हुआ कि विपक्षीगण द्वारा जो बैनामा उसको दिखाया गया है वह पूर्णतया फर्जी है तथा उक्त भूमि की बाबत अमित कुमार आदि का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं है। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त लोगों ने उसके साथ धोखाधडी कर उसके रूपये हडप लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बॉक्स ऑफिस पर वैलेंटाइन डे के बाद फिर लुढकी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कमाई

फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का खूब प्रचार-प्रसार किया गया था, वहीं इसे देखने के लिए भी प्रशंसक बड़े बेताब हो रहे थे। इसके जरिए पहली बार शाहिद कपूर और कृति सैनन की जोड़ी दर्शकों के बीच आई। लिहाजा उत्साह होना लाजमी थी।हालांकि, फिल्म जब सिनेमाई पर्दे पर आई तो इसने कुछ कमाल नहीं किया। धीमी शुरुआत के बाद यह आगे बढ़ी और अभी तक फिल्म ने किसी भी दिन अपनी कमाई से चौंकाया नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 6.7 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था। दूसरे दिन 9.65 करोड़ रुपये और तीसरे दिन इसने 10.75 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन चौथे दिन इसकी कमाई घटकर 3.65 करोड़ रुपये रह गई।5वें दिन जहां फिल्म 3.85 करोड़ रुपये बटोर सकी, वहीं वैलेंटाइन डे यानी छठे दिन जाकर कमाई में इजाफा देखने को मिला। फिल्म ने 6.75 करोड़ रुपये छापे और अब फिर 7वें दिन फिल्म महज 3.25 करोड़ रुपये अपने खाते से जोड़ पाई।

फिल्म ने भारत में कुल 44.6 करोड़ रुपये कमा लिए हैं, वहीं दुनियाभर में फिल्म 60 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी हैतेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने 9 फरवरी को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अमित जोशी और आराधना साह ने संभाली है, वहीं फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और डिंपल कपाडि?ा ने भी अहम भूमिका निभाई है। बता दें कि यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें इंसान और रोबोट की प्रेम कहानी दिखाई गई है। शाहिद ने फिल्म में आर्यन नाम के इंसान तो कृति सिफरा नाम की एक रोबोट बनी हैं।आर्यन, सिफरा के प्यार में पड़ जाता है, लेकिन जब उसे पता चलता है कि वह रोबोट है तो उसे 440 वोल्ट का झटका लगता है।फिल्म की कहानी अलग है, इसलिए कुछ हटके पसंद करने वालों को यह पसंद भी आ रही है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर भले ही अब भी सिनेमाघरों में लगी हुई हो, लेकिन इसने लोगों को निराश किया है।इस फिल्म ने वैलेंटाइन डे के दिन यानी तीसरे बुधवार को 1.75 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं तीसरे गुरुवार यानी अपनी रिलीज के 22वें दिन इसने 1 करोड़ रुपये की कमाई की।भारत में इसकी कमाई 200 करोड़ रुपये को पार कर गई है। यह फिल्म बीती 25 जनवरी को रिलीज हुई थी।

म्यूजिक वीडियो हल्की हल्की सी का पहला पोस्टर जारी

बिग बॉस 17 के विनर और स्टैंडअप ऑर्टिस्ट मुनव्वर फारूकी नए म्यूजिक वीडियो को लेकर चर्चा में बने हुए है। खास बात यह है कि इस नए ट्रैक में उनके साथ मशहूर एक्ट्रेस हिना खान भी नजर आएंगी। इस म्यूजिक वीडियो का नाम हल्की हल्की सी है। दोनों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हल्की हल्की सी का फर्स्ट पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में हिना खान को मुनव्वर फारूकी के कंधे पर सिर रखते हुए देखा जा सकता है। बैकग्राउंड में हावड़ा ब्रिज नजर आ रहा है।

हिना ने ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई है, इसके साथ उन्होंने सिल्वर ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी कैरी की हैं। वहीं मुनव्वर ने बेज कलर की शर्ट और मैचिंग नेहरू-कॉलर वाली जैकेट पहनी हुई है।

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हल्की-हल्की सी के साथ स्नेह की हल्की-फुल्की फुसफुसाहट को गले लगाने के लिए तैयार हैं। टीजर 20 फरवरी को सुबह 11 बजे सिर्फ प्ले डीएम के ऑफिशियल यूट्यूब पेज पर आ रहा है।

गाने को असीस कौर और साज भट्ट ने गाया है। गीतकार और संगीतकार संजीव चतुर्वेदी हैं, जबकि वीडियो ए ट्रू मेकर्स फिल्म द्वारा शूट किया गया है।

बता दें कि हिना बिग बॉस 11 की फर्स्ट रनर अप रहीं। उन्हें अब से पहले फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 13 में एक चैलेंजर के रूप में देखा गया था।

एक्ट्रेस जल्द ही अंग्रेजी और हिंदी द्विभाषी फिल्म कंट्री ऑफ ब्लाइंड में नजर आएंगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

जीभ का रंग खोलता है सेहत के कई राज

जीभ सिर्फ खाने का टेस्ट ही नहीं बल्कि सेहत के बारे में भी कई राज उजागर करती है। रिसर्च के मुताबिक जब आप बीमार पड़ते हैं तो डॉक्टर सबसे पहले आपका जीभ चेक करता है क्योंकि जीभ सेहत के बारे में काफी कुछ बताती है। जीभ हमारे शरीर का बेहद महत्वपूर्ण पार्ट है। जीभ में ही वह सेंस होता है कि इससे आप खाने का स्वाद लगा सकते हैं। जीभ के रंग से हमारी हेल्थ का भी पता चलता है।

आपके जीभ का रंग बदल रहा है तो बिना समय बर्बाद किए आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। दरअसल, हाल ही में एक रिसर्च सामने आई है जिसमें साफ लिखा गया है कि कई गंभीर बीमारी के शुरुआती लक्षण में जीभ का रंग बदलता है।

सफेद रंग की जीभ

आपके जीभ का रंग सफेद हो गया है तब यह एक बड़ी बीमारी का संकेत है। विशेषज्ञों के मुताबिक जब आपका जीभ सफेद रंग की हो रही है तो आपके शरीर में पानी की भारी कमी हो रही है। सफेद जीभ ल्यूकोप्लेकिया, ओरल लिचेन प्लेनस और सिफिलिस जैसे बीमारियों के शुरुआती

लक्षणों को दर्शाता है।

लाल रंग की जीभ

डॉक्टर्स के मुताबिक अगर आपके जीभ का रंग लाल हो गया है तो यह अक्सर ऐसी स्थिती में होता है जब शरीर में फ्लू, बुखार या संक्रमण ने दस्तक दी हो। लाल जीभ विटामिन बी और आयरन की कमी के लक्षण को दर्शाता है।

काले रंग की जीभ

जीभ का काला पडना एक गंभीर और बड़ी बीमारी का संकेत हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक जीभ का काला पडना कैंसर, फंगस और अल्सर जैसी बीमारी होने का संकेत देता है। गले में बैक्टीरिया या फंगस की वजह से भी अक्सर जीभ का रंग काला पड़ जाता है।

पीले रंग की जीभ

डॉक्टर्स के मुताबिक पीले रंग की जीभ ओवरईटिंग की वजह से भी हो सकती है। वहीं अगर बीमारी की बात करें तो यह डाइडेशन, लिवर या मुंह में ज्यादा बैक्टीरिया होने की वजह से भी जीभ का रंग का पीला पडने लगता है। इस कारण मुंह से बदबू आना, थकावट और बुखार हो सकता है।

दंगे का दमदार ट्रेलर रिलीज, कॉलेज में एक-दूसरे से भिड़ते नजर आए हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट

हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट की फिल्म दंगे का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिनों फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे देख फैंस उत्साहित हो गए थे। वहीं, अब फैंस के इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने दंगे का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट के बीच जबर्दस्त तकरार देखने को मिली।

बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी दंगे एक द्विभाषी फिल्म है। इस फिल्म के हिंदी भाषी वर्जन में हर्षवर्धन राणे और एहान भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

उनके अलावा निकिता दत्ता और टीजे भानू भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण बिजॉय नांबियार, प्रभु एंटनी, मधु अलेक्जेंडर ने किया है। इस फिल्म को टी-सीरीज और रूक्स मीडिया के जरिए प्रस्तुत किया जाएगा।

वहीं, हिंदी के साथ-साथ यह फिल्म तमिल भाषा में भी बन रही है। तमिल में इसका नाम पीओआर है, जिसमें अर्जुन दास, कालीदास जयराम, टीजे बानू और संचना नटराजन जैसे सितारे नजर आएंगे। निर्माताओं ने तमिल और हिंदी दोनों भाषा में ट्रेलर जारी किया है।

शब्द सामर्थ्य - 79

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

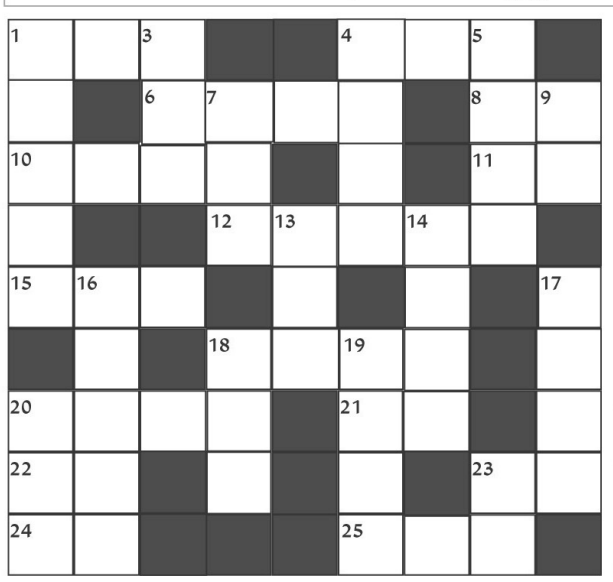

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

अजय देवगन की शैतान का पहला गाना खुशियां बटोर लो हुआ रिलीज

बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन इस साल की अपनी पहली फिल्म शैतान को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का नया गाना खुशियां बटोर लो रिलीज किया है। इस सॉन्ग को अजय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया है, जहां वह अपनी हैप्पी फैमिली के संग क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं इस गाने को शेयर करते हुए अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा कि जब आप अपने परिवार के साथ होते हो, तो हर पल कीमती और खूबसूरत होता है।।। बता दें कि इस खूबसूरत गाने को जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी है। तो वहीं इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अमित त्रिवेदी ने इसका म्यूजिक दिया है। अजय देवगन के अलावा फिल्म में आर। माधवन और ज्योतिका अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। विकास बहल के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें आर माधवन एक खतरनाक विलेन के किरदार में लोगों को डराते हुए नजर आने वाले हैं। वहीं जबसे फिल्म का रोंगटे खड़े कर देने वाली टीजर सामने आया है, फैंस अजय की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टीजर को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा था कि वो पूछेगा तुमसे।।।एक खेल है, खेलोगे? पर उसके बहकावे में मत आना! बता दें कि ये फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं अजय देवगन के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल अभिनेता अपनी कई सारी फिल्मों के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। शैतान के बाद अजय स्पोर्ट्स ड्रामा मैदान में भी नजर आने वाले हैं, जो 23 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा सुपरस्टार सिंघम अगेन, औरों में कहां दम था, रेड 2, साढ़े साती जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

रिलीज से पहले ही सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा ने बनाया रिकॉर्ड

सिद्धार्थ मल्होत्रा पिछले लंबे समय से अपनी मचअवेटेड फिल्म योद्धा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं अब फिल्म का पोस्टर सामने आ चुका है। मूवी के इस नए पोस्टर को बेहद रोमांचक तरीके से रिलीज किया गया है।

इसका एक वीडियो फिल्म के हीरो सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाफंट पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरफ से आसमान में फिल्म का पोस्टर जारी किया गया है। बता दें कि फिल्म का पोस्टर को 13 हजार फीट की ऊंचाई से दुबई में लॉन्च किया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग पोस्टर को लेकर प्लेन के अंदर जाते हैं और फिर पोस्टर को लेकर प्लेन से छलांग मारते हं। इसके बाद पोस्टर खुलता है और फिल्म के हीरो का लुक सामने आता है। बता दें कि हिंदी सिनेमा में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी फिल्म का पोस्टर इतनी उचाई से लॉन्च किया गया हो। बता दें कि 13 मार्च को ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में एक ऐसा योद्धा की कहानी दिखाई गई है, जो एयरप्लेन हाईजैक करने वाले आतंकियों के खिलाफ लड़ता है और प्लेन मैं मौजूद सभी पैसेंजर को सही सलामत वापस लेकर आता है। वहीं इस योद्धा के किरदार में सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे, जो एक सोल्जर की भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म के पहले शेरशाह में सिद्धार्थ एक सोल्जर की भूमिका निभा चुके हैं। ऐसे में फैंस अपने चहेते सितारे को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। बता दें कि इस फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिशा पाटनी स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं,। वहीं इन दोनों के अलावा योद्धा में राशि खन्ना भी अहम भूमिका में हुए नजर आने वाली हैं।

फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर भरी ऊंची उड़ान, आखिरकार 200 करोड़ क्लब में शामिल हुई फिल्म

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर ने हार नहीं मानी। फिल्म ने आखिरकार बॉक्स ऑफिस पर ऊंची उड़ान भरकर ही दम लिया। फाइटर ने जैसे ही अपने गिरते कलेक्शन पर लगाम लगाई, फिल्म 200 करोड़ क्लब में एंट्री कर गई। हालांकि, फाइटर को ये माइल स्टोन एचीव करने में काफी वक्त लग गया। 21 दिनों के लंबे सफर के बाद फिल्म ये मुकाम हासिल कर पाई है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर से मेकर्स को काफी उम्मीद थी, क्योंकि उनका मोटा पैसा इसके पीछे लगा था। स्टारकास्ट से लेकर कहानी तक, फिल्म में हर मसाला मौजूद है, लेकिन रिलीज के बाद फाइटर को बिजनेस करने में संघर्ष करना पड़ गया। ओपनिंग वीकेंड के बाद फाइटर को बॉक्स ऑफिस पर आगे बढने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक वक्त ऐसा भी आया, जब फिल्म की कमाई लगातार नीचे गिरती ही जा रही थी। इस बीच वैलेंटाइन वीक का फाइटर को थोड़ा फायदा मिला और कलेक्शन में उछाल आया। फाइटर ने वीकेंड पर ठीक-ठाक कमाई करने के बाद, तीसरे हफ्ते के वर्क डेज में भी बिजनेस पर अपनी पकड़ बनाई। फिल्म को इसका फायदा भी मिला। तीसरा हफ्ता खत्म होते-होते फिल्म 200 करोड़ क्लब में पहुंच गई। आंकड़ों के मुताबिक फाइटर ने बुधवार को देशभर में 1.75 करोड़ का कमाए। इसके साथ ही फिल्म ने रिलीज के 21 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200.90 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। अब फिल्म ने 250 करोड़ क्लब की ओर निशाना साधा, लेकिन ये राह और भी मुश्किल होने वाली है, क्योंकि मुकाबले में कई फिल्में आने वाली है।

क्राइम सीरीज पोचर का 23 फरवरी को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

पिछले दिनों एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने एक टीजर रिलीज किया था जिसमें वो हैरान परेशान नजर आ रही थीं। वीडियो में आलिया कहती हैं कि जानवर को मारो या इंसान को मारो मर्डर तो मर्डर ही होता है। उस फिल्म का नाम पोचर है जिसका ट्रेलर आज यानी 15 फरवरी को रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स में एक आलिया भट्ट भी हैं, अब वो पूरी फिल्म में हैं या सिर्फ कैमियो है ये समय बताएगा फिलहाल आप इस फिल्म का ट्रेलर देख लें।

एमी पुरस्कार विनर निर्माता रिची मेहता की फिल्म पोचर का ट्रेलर आ गया है। ये एक वेब सीरीज है जिसमें हांथी दांत के सबसे बड़े गिरोह को दिखाया गया है। पोचर को रिची मेहता और क्यूस एंटरटेनमेंट मिलकर बनाए हैं और फिल्म का ट्रेलर काफी जबरदस्त है।

आलिया भट्ट ने फिल्म पोचर का ट्रेलर प्राइम वीडियो इंडिया के साथ शेयर किया है। इसके कैप्शन में लिखा गया, भारत के सबसे बड़े क्राइम रैकेट की सबसे बड़ी कहानी। पोचर प्राइम पर, एक नई, ओरिजनल क्राइम सीरीज 23 फरवरी से स्ट्रीम करेगी।

सच्ची घटनाओं पर आधारित पोचर के इस ट्रेलर में आप देख पाएंगे जो लोग जानवरों के बेजुबान होने का किस तरह से फायदा उठाते हैं। ये एक क्राइम पर आधारित सीरीज है जिसमें भारत में हाथी दांत से जो लोग स्मगलिंग करते हैं ये सब भी दिखाया गया है। फिल्म का निर्माण और निर्देशन रिची मेहता की कर रहे हैं, वहीं इस सीरीज में निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यू औ दिब्येंदु भट्टाचार्य जैसे सितारे भी हैं। ये सीरीज हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी स्ट्रीम होगी।

जानकारी के लिए बता दें, इटरनल सनशाइन होम प्रोडक्शन की मालिक आलिया भट्ट भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। आलिया इसमें बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जुड़ी हैं। साथ ही फिल्म के कुछ सीन में भी आलिया नजर आएंगी। फिल्म पोचर की झलक आलिया भट्ट ने दिखाई थी जिसमें वो भी नजर आई थीं। इसके अलावा आलिया भट्ट के होम प्रोडक्शन में डार्लिंग भी बनाई गई थी। आलिया बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री के साथ-साथ अब प्रोड्यूसर भी हैं।

जब निर्देशक ने महिमा मकवाना से कहा तुमसे ना हो पाएगा

एक्ट्रेस महिमा मकवाना ने एक निर्देशक की सबसे घटिया बात के बारे में खुलासा किया।

महिमा अपकमिंग सीरीज शोटाइम में महिका नंदी का किरदार निभाती नजर आएंगी।

शो के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा ने कहा, एक निर्देशक ने मुझसे सबसे घटिया बात यह कही है कि तुमसे ना हो पाएगा।

मैं सेट पर गयी, मैं पूरी तरह तैयार थी और जाहिर तौर पर नर्वस भी थी। वे मेरे पास आए और मुझसे कहा, तुम यहां क्या कर रही हो, मुझे नहीं लगता कि तुम फिल्मों के लिए बनी हो।

शोटाइम में इमरान हाशमी, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

यह सीरीज फिल्मों की दुनिया, प्रोडक्शन हाउस और उनके काम करने के तरीके के बारे में विस्तार से बताती है।

मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, यह शो धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है।

शोटाइम 8 मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शाहरुख स्टारर फिल्म डंकी ने नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक, बॉक्स ऑफिस पर मचाया था धमाका!

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई और शानदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने में सफल रही। वहीं, जो दर्शक सिल्वर स्क्रीन पर इसका लुत्फ नहीं उठा सके थे, वो इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, अब यह इंतजार खत्म हो चुका है। डंकी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी है। आइए जानते हैं कि मूवी किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है-

कुछ घंटे पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने शाहरुख खान का एक वीडियो जारी कर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया था। सुपरस्टार ने कहा कि मंच पर जल्द ही कुछ विशेष आने वाला है, जिससे नेटिजन्स के बीच बड़ी चर्चा हुई। अब यह विशेष नेटफ्लिक्स पर आ चुका है, और यह कुछ और नहीं शाहरुख खान, तापसी पन्नू अभिनीत फिल्म डंकी है। डंकी अब अंग्रेजी सब-टाइटल के साथ हिंदी ऑडियो में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है। हालांकि, ऐसी चर्चा थी कि फिल्म का प्रीमियर जियो सिनेमा पर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित डंकी प्यार और दोस्ती की एक गाथा है, जो बेतहाशा असमान कहानियों को एक साथ जोड़ती है। निर्देशक राजकुमार हिरानी, जो मुद्दों को कॉमेडी और भावना के साथ मिश्रित करने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी अपने शानदार निर्देशन की छाप छोड़ते नजर आए हैं। डंकी अवैध रूप से अपने पसंदीदा देश में घुसने की प्रक्रिया यानी डंकी फ्लाइट्स पर आधारित है। डंकी की ओटीटी रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए किंग खान कहते हैं, डंकी एक विशेष फिल्म है, और यह मेरे दिल के बहुत करीब है। हम आभारी हैं कि हम इस खूबसूरत कहानी को नेटफ्लिक्स के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों के साथ साझा कर सकते हैं।

गठबंधन मिटाएं विरोधाभास नहीं...!

अजीत द्विवेदी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की अभी सबसे बड़ी कमजोरी क्या है? इसका जवाब है- रणनीतिक विरोधाभास। ध्यान रहे गठबंधन की ज्यादातर पार्टियों में कोई वैचारिक विरोधाभास नहीं है। अगर एक उद्धव ठाकरे गुट के शिव सेना को छोड़ दें तो लगभग सभी पार्टियां अपनी स्थापना के समय से धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी राजनीति करने वाली रही हैं। सो, वैचारिक टकराव नहीं है। लेकिन रणनीतिक विरोधाभास इतना बड़ा है कि गठबंधन में एकजुटता नहीं दिख रही है। पार्टियों के साथ होने के बावजूद साथ होने का मैसेज नहीं बन रहा है। ऐसा लग रहा है कि सभी पार्टियां अपनी अपनी ओर गठबंधन को खींच रही हैं। सब एक दिशा में साथ मिल कर चलते हुए नहीं दिख रहे हैं। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और उसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है लेकिन बाकी पार्टियां उसको गठबंधन का इंजन मान कर उसके साथ बोगी की तरह जुड़ नहीं रही हैं। सब इंजन बनना चाहते हैं। इस वजह से कहीं गठबंधन तो कहीं टकराव दिख रहा है।

इसका नतीजा यह हुआ है कि पार्टियों की इस प्रतिबद्धता पर किसी को यकीन नहीं हो रहा है कि वे भाजपा को हराना चाहती हैं। ध्यान रहे देश में भाजपा विरोधी वोट करीब 60 फीसदी है। भाजपा को 2019 में अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन के समय भी 38 फीसदी वोट मिले हैं। बचे हुए 62 फीसदी वोट में से थोड़े से वोट उसकी सहयोगी पार्टियों को मिले हैं लेकिन ज्यादातर या करीब 60 फीसदी वोट भाजपा के विरोध में पड़े हैं। इसका मतलब है कि विपक्षी पार्टियां भले बिखरी हुई या कमजोर दिख रही हैं लेकिन भाजपा का विरोध कमजोर नही है। अगर विपक्षी पार्टियां एक साथ आती हैं, ईमानदारी से एकजुटता दिखाती हैं और भाजपा को हराने की वास्तविक प्रतिबद्धता दिखाती हैं तो भाजपा विरोधी वोट को साथ ला सकती हैं। इसमें भी भाजपा विरोधी सारे वोट हासिल करने की जरुरत नहीं है। अगर भाजपा विरोधी 60 फीसदी वोट का 60 या 70 फीसदी वोट विपक्षी गठबंधन को मिल जाए तो उसका वोट भी भाजपा के बराबर यानी 38 फीसदी के करीब हो जाएगा। फिर वह भाजपा को टक्कर देने की स्थिति में होगी। लेकिन यह वोट तभी उसके साथ आएगा, जब भाजपा को हराने की उनकी प्रतिबद्धता पर लोगों को यकीन होगा। अगर यकीन नहीं हुआ तो यह वोट बिखर जाएगा और विपक्षी गठबंधन को कोई फायदा नहीं होगा।

तभी वैचारिक समानता दिखाने के साथ साथ पार्टियों को रणनीतिक एकजुटता भी दिखानी होगी। यह नहीं हो सकता है कि ममता बनर्जी कहें कि वे पश्चिम बंगाल में तो अकेले लड़ेंगी लेकिन पूरे देश में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ रहेंगी। इससे विपक्षी गठबंधन पर लोगों का भरोसा नहीं बनेगा। अगर वे अपने असर वाले राज्य में किसी दूसरी विपक्षी पार्टी को स्पेस नहीं देंगी तो इससे यह जाहिर होगा कि उनकी प्रतिबद्धता भाजपा को हराने की नहीं, बल्कि अपना स्वार्थ पूरा करने की है। वोट के बिखराव के साथ साथ उनकी इस सोच का असर धारणा के स्तर पर भी होगा। मतदाताओं का एक बड़ा समूह, जो भाजपा के खिलाफ वोट करता है या इस बार खिलाफ वोट करने की सोच रहा है, उसकी धारणा प्रभावित होगी। भाजपा को भी मौका मिलेगा यह बताने का कि गठबंधन में एकजुटता नहीं है। अगर ममता बनर्जी बंगाल में कांग्रेस को स्पेस नहीं देती हैं तो फिर कांग्रेस कैसे उनको असम, मेघालय या त्रिपुरा में सीट देगी?

यही स्थिति वामपंथी पार्टियों के साथ हैं। उनको बिहार में 10 सीटें चाहिएं। उत्तर प्रदेश से लेकर तेलंगाना और तमिलनाडु से लेकर महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड हर जगह वामपंथी पार्टियों को सीटें चाहिएं। लेकिन वे अपने असर वाले राज्य केरल और त्रिपुरा में तालमेल नहीं करेंगे। यह सही है कि केरल में अगर लेफ्ट मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व में यूडीएफ के बीच तालमेल होगा है तो वह बड़ा बेमेल होगा और राजनीतिक स्तर पर भाजपा को बहुत बड़ा फायदा पहुंचाने वाला होगा। क्योंकि इन दोनों गठबंधनों के पास अभी राज्य का 85 फीसदी वोट है और भाजपा 11 फीसदी वोट की पार्टी है। अगर दोनों गठबंधन साथ हो जाएं तो भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ जाएगा। सीट तो वह एक भी नहीं जीत पाएगी लेकिन उसका आधार मजबूत हो जाएगा। लंबे समय में इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन अगर कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां केरल में एक दूसरे के खिलाफ लड़ती हैं और एक दूसरे पर हमले करती हैं तो उसका असर दूसरे राज्यों में पड़ेगा, जहां वे साथ मिल कर लड़ रही होंगी। इसके एक बड़ा रणनीतिक विरोधाभास जाहिर होगा, जिसका धारणा के स्तर पर पूरे देश में नुकसान होगा। निश्चित रूप से केरल में दोनों के साथ आने में जोखिम है लेकिन एकजुटता और प्रतिबद्धता दिखाने के लिए किसी न किसी तरह से यह जोखिम उठाना होगा।

इसी तरह का जोखिम पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल को लेकर है। सत्तारूढ़ और मुख्य विपक्षी पार्टी के साथ मिल कर लडने़ का फायदा तीसरे नंबर की पार्टी अकाली दल और चौथे नंबर की पार्टी भाजपा को होगा। लेकिन अगर कांग्रेस और आप दिल्ली में मिल कर लड़ते हैं और पंजाब में अलग अलग लड़ते हैं तो वह विरोधाभास दोनों जगह भारी पड़ेगा। धारणा के स्तर पर पूरे देश में यह मैसेज जाएगा कि गठबंधन की पार्टियां लोगों को बेवकूफ बना रही हैं। भाजपा इस धारणा का और प्रचार करेगी। अगर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस कहीं मिल कर लड़ रहे हैं और कहीं एक दूसरे पर वार कर रहे हैं, कांग्रेस और लेफ्ट कहीं साथ हैं तो कहीं एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं, कांग्रेस और आप कहीं साथ हैं और कहीं एक दूसरे को नाकारा साबित करने में लगे हैं तो उससे मतदाता कंफ्यूज होंगे। उनके बीच यह धारणा नहीं बनेगी कि ये पार्टियां साथ हैं और भाजपा को हराना चाहती हैं। उनके बीच यह धारणा भी नहीं बनेगी कि चुनाव के बाद ये पार्टियां एकजुट रह पाएंगी। इससे भाजपा की ओर से मजबूत सरकार के नैरेटिव की ओर उनका आकर्षण बढ़ेगा। तभी पार्टियों को किसी न किसी तरह से विरोधाभासों को दूर करना होगा। यह मैसेज बनवाना होगा कि वे पूरे देश में एकजुट होकर लड़ रही हैं और उनके अंदर किसी बात पर मतभेद नहीं है।

आप के साथ नहीं बन रही बात

कांग्रेस पार्टी ने भी अब आम आदमी पार्टी से दूरी बनानी शुरू कर दी है क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की बात नहीं बन रही है। लेकिन तालमेल नहीं होने का एकमात्र कारण यही नहीं है कि दोनों में सीट बंटवारा फाइनल नहीं हो पाया है। इसके अलावा एक कारण राजनीति है और दूसरा वैचारिक है। सबसे पहला कारण तो आम आदमी पार्टी की ज्यादा सीटों पर लडने़ और अलग अलग राज्यों में लड़ कर कांग्रेस की मदद से अपना आधार बड़ा करने की है। इसी योजना के तहत अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने गुजरात और असम में उम्मीदवार की घोषणा कर दी। उसके बाद खुद केजरीवाल ने पहले पंजाब में सभी 13 सीटों पर लडने़ का ऐलान किया और उसके बाद दिल्ली में भी सभी सात सीटों पर लडने़ का संकेत दिया। कहा जा रहा है कि जल्दी ही केजरीवाल की पार्टी हरियाणा और गोवा में भी उम्मीदवार घोषित करेगी।

कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी की अलग अलग राज्य इकाइयों और नेशनल एलायंस कमेटी ने पार्टी नेतृत्व को केजरीवाल की रणनीति के बारे में आगाह किया। कांग्रेस उनसे तालमेल में अपना राजनीतिक नुकसान देख रही है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि जहां केजरीवाल मजबूत हैं वहां उनकी मदद के बावजूद कांग्रेस को बहुत फायदा नहीं होना है। लेकिन जहां केजरीवाल की पार्टी का वजूद नहीं है वहां अगर कांग्रेस ने उनके लिए सीटें छोड़ीं तो वहां आम आदमी पार्टी का आधार मजबूत होगा। मिसाल के तौर पर असम में या हरियाणा में कांग्रेस तालमेल करके लड़ेगी तो बेशक आप को दो-तीन सीट ही मिले लडने़ के लिए लेकिन इन दोनों राज्यों में उसका आधार मजबूत होगा। कांग्रेस के जानकार नेताओं का कहना है कि अगर केजरीवाल दिल्ली में कांग्रेस के लिए सीट छोड़ते हैं तभी कांग्रेस को कोई फायदा होगा। इसके अलावा किसी भी राज्य में दोनों के साथ मिल कर लडने़ का फायदा सिर्फ और सिर्फ केजरीवाल को होगा। कांग्रेस के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि दिल्ली में जब कांग्रेस मजबूत थी तब उसने केजरीवाल को समर्थन दिया था, जिसके बाद कांग्रेस का वोट उनके साथ चला गया और कांग्रेस जीरो पर गई। अब केजरीवाल मजबूत हैं और अगर उनके समर्थन से कांग्रेस लड़ती है तो वह अपना कुछ खोया हुआ वोट वापस हासिल कर सकती है। राजनीतिक पहलू के अलावा एक वैचारिक पहलू भी है, जिसे लेकर कांग्रेस के नेता आशंकित भी हैं और अपने लिए संभावना भी देख रहे हैं। गौरतलब है कि केजरीवाल की पार्टी ने राममंदिर कार्यक्रम के दिन यानी 22 जनवरी को पूरी दिल्ली में सुंदरकांड का पाठ कराया था और अब हर महीने के पहले मंगलवार को इसके आयोजन का ऐलान किया है। इस बीच केजरीवाल पूरे परिवार के साथ अयोध्या दर्शन के लिए भी गए हैं। वे साथ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी ले गए हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि भाजपा जैसी ही राजनीति करने से मुस्लिम मतदाता केजरीवाल का साथ छोड़ सकते हैं और फिर कांग्रेस की ओर वापस लौट सकते हैं। इसलिए भी कांग्रेस के नेता अलग लडने़ की संभावना पर विचार कर रहे हैं।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सिद्धु जोन्नालगड्डा की बहुप्रतीक्षित सीक्वल टिल्लू स्क्वायर फिल्म का ट्रेलर रिलीज

स्टार बॉय सिद्धू जोन्नालगड्डा का फिल्म टिल्लू स्क्वायर का ट्रेलर जारी। बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म टिल्लू स्क्वायर के निर्माता एक आनंददायक और मनोरम सिनेमाई अनुभव का वादा करते हुए नाटकीय ट्रेलर का अनावरण करने के लिए रोमांचित हैं। यह ट्रेलर अपने बेहतरीन दृश्यों, तीव्र मनोरंजन और दिल को छू लेने वाले रोमांटिक तत्वों से आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। जैसे ही ट्रेलर शुरू होता है, हमारा परिचय महिलाओं के एक समूह से होता है जो नायक टिल्लू को लड़कियों की कई तस्वीरें दिखाती है। हालाँकि, टिल्लू ने उनके प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया और राधिका के साथ अपनी असफल प्रेम कहानी को समझाने के लिए यात्रा पर निकल पड़ा। नियति करवट लेती है और वह खुद को आकर्षक अनुपमा परमेश्वरन के प्यार में गिरता हुआ पाता है। ट्रेलर हमें मुख्य जोड़ी के बीच साझा किए गए ठोस रोमांटिक क्षणों की झलक दिखाता है, जिससे हम और अधिक के लिए उत्सुक हो जाते हैं। अनुपमा टिल्लू को अपनी समस्याओं के बारे में बताती है, उसका मार्गदर्शन और समर्थन मांगती है।

टिल्लू, एक देखभाल करने वाली और समझदार साथी होने के नाते, पूरे दिल से उसके मुद्दों को सुलझाने की कोशिश करती है। ट्रेलर हमें इस बात को लेकर उत्सुक रखता है कि क्या टिल्लू द्वारा अभिनीत सिद्धू, अनुपमा की समस्याओं और उसके रास्ते में आने वाली चुनौतियों का समाधान ढूंढने में सक्षम है। ये सम्मोहक तत्व एक आकर्षक और मनोरंजक सिनेमाई यात्रा के लिए मंच तैयार करते हैं। ट्रेलर में अनुपमा का मनमोहक ग्लैमर दिखाया गया है, जबकि सिद्धू अपने मजाकिया आकर्षण और सहज कॉमेडी टाइमिंग से चमकते हैं। फिल्म को सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले नागा वामसी द्वारा नियंत्रित किया गया है, जिसमें राम मिरियाला ने भावपूर्ण गाने तैयार किए हैं और एसएस थमन ने फुट-टैपिंग बैकग्राउंड स्कोर प्रदान किया है। टिल्लू स्क्वायर 29 मार्च को रिलीज होने के लिए तैयार है, जो एक आनंददायक सिनेमाई अनुभव का वादा करता है जो दर्शकों को शुरू से अंत तक मनोरंजन और मंत्रमुग्ध कर देगा।

आलानकब सहित दो चोर दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे दो चोरों को पुलिस ने आलानकब सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शातिर किस्म के चोर है जो पहले भी कई मामलों में जेल जा चुके है।

जानकारी के अनुसार सिडकुल थाना पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस टीम द्वारा खाली प्लाट डैन्सो चौक के पास से 2 संदिग्धों सुरेन्द्र कुमार व सोनू उर्फ धन्नू को चोरी के उपकरणों के साथ दबोचा गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा दिनांक 19 फरवरी को थाना सिडकुल पर दर्ज सम्बन्धित चोरी की घटना को अंजाम देना बताया गया जिनकी निशांदेही पर चोरी किया गया एक बैटरा इनवेटर व एक एल.ई.डी. टीवी बरामद किये गये। पुलिस के अनुसार आरोपी सोनू उर्फ धन्नू शातिर किस्म का बदमाश है जो पहले भी कई आरोपो मे जेल जा चुका है।

चारधाम यात्रा में वाहनों का अवैध संचालन बंद किया जाए

ऋषिकेश(आरएनएस)। टीजीएमओसी एवं यातायात कंपनी के पदाधिकारियों की बुधवार को बैठक हुई। बैठक में दोनों कंपनियों ने चारधाम यात्रा 2024 में एकजुट होकर रोटेशन के माध्यम से बसों के संचालन का निर्णय लिया। साथ ही यात्रा में हरिद्वार से अवैध बसों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की। बुधवार को यात्रा बस अड्डे के समीप एक कार्यालय में टीजीएमओसी एवं यातायात कंपनी के सचालक मंडल के पदाधिकारियों की बैठक में चारधाम यात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उसके बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी चारधाम यात्रा 2024 को लेकर दोनों कंपनियां एक ही रोटेशन से संचालित होंगी। इसके लिए दोनो कंपनियों की एक ही लॉटरी प्रक्रिया होगी। टीजीएमओसी के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह नेगी ने कहा कि जिन वाहनों के पिछले दो वर्षों से कम्पनी में कमीशन नहीं जमा है, उन सभी वाहनों को कम्पनी व्यवस्था से बाहर किया गया है। विश्वनाथ सेवा की एक सेवा जो देहरादून से रजाखेत जाएगी, उसे एक मार्च से प्रारम्भ किया जाएगा, जबकि घनशाली सेवा को घनशाली से जखोली ब्लाक तक बढ़ाया गया है।

सत्ता में आते ही नौकरियों की ठेका प्रथा.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आरक्षण दिलाएगी। उन्होंने अंकिता हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सत्ता में आने पर महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा नारी न्याय की शुरुआत जल्द की जाएगी। अपराधों की शिकार होने वाली महिलाओं को कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए कांग्रेस की तरफ से वकीलों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

अलका लाम्बा ने कहा कि कांग्रेस देश के पिछड़े व गरीब मजदूर तथा किसानो और महिलाओं को उनका हक दिलाने और सामाजिक तथा आर्थिक न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब भाजपा व केंद्र सरकार का सच अदालती फैसलों से भी सामने आने लगा है। विपक्ष की आवाज दबाने के लिए कैसे सत्ता द्वारा ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है इसका सच अब आम आदमी जान चुका है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति गैरोला भी उपस्थित रही।

उत्तराखंड की जेलों में क्षमता से दोगुना कैदी... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

स्थान पर क्षमता के 146 प्रतिशत कैदी 552 क्षमता वाली केन्द्रीय कारागार सितारगंज में 805 कैदी बंद है। आठवें स्थान पर क्षमता के 132 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला कारागार टिहरी में 198 कैदी बंद है। नवें स्थान पर क्षमता के 112 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला पौड़ी में 168 कैदी बंद है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार प्रदेश में केवल दो जेले ही ऐसी है जिसमें निर्धारित स्वीकृत क्षमता से कम कैदी बंद है। इसमें एक विशेष जेल सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज है जिसमें केवल सजायाफ्ता कैदियों को ही रखा गया है। इसकी क्षमता 300 कैदियों की है जबकि इसकी क्षमता के मात्र 16 प्रतिशत 48 कैदी ही इसमें बंद है। इसके अतिरिक्त सामान्य जेलों में स्वीकृत क्षमता से कम कैदियों वाली एकमात्र जेल जिला कारागार चमोली है। इसमें उसकी क्षमता 169 की अपेक्षा 76 प्रतिशत 128 कैदी ही बंद हैं।

मानवाधिकार संरक्षण तथा सूचना अधिकार सहित 44 पुस्तको के लेखक तथा सूचना अधिकार व मानवाधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों पर चिन्ता व्यक्त करते हुये, इसे कैदियों के संवैधानिक व मानव अधिकारों का हनन बताया है और उन्होंने उत्तराखंड के बड़े शहरों काशीपुर तथा रूद्रपुर में नयी जेलों, उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चम्पावत में जिला जेलों के निर्माण सहित वर्तमान जेलों की क्षमता बढ़ाने अधिक कैदियों को सामान्य के स्थान पर खुली जेल में रखने तथा कानूनों व सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अन्तर्गत छोडे जाने योग्य कैदियों को सजा माफी, जमानत तथा पैरोल पर छोड़े जाने की मांग की है।

नेपाल सीमा पर चस्पा किए वांटेड अब्दुल मलिक के पोस्टर

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद के नेपाल के रास्ते विदेश भागने की संभावनाओं को देखते हुए पुलिस की एक टीम ने चंपावत व दूसरी टीम ने बनबसा में डेरा डाला हुआ है। वहीं पुलिस टीम द्वारा बनबसा और नेपाल बार्डर में वांटेड अब्दुल मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद के पोस्टर लगाए गये है।

बता दें कि लाइन नंबर 8 बनभूलपुरा निवासी अब्दुल मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद को उपद्रव का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। परिवार समेत दोनों दंगे के दिन से ही फरार हैं। इन दोनों की बीवियों का भी उसी दिन से कोई पता नहीं है। वह दोनों भी पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस दोनों के घरों कुर्की कर चुकी है। उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया जा चुका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विभिन्न एयरपोर्ट से डाटा प्राप्त कर लिया गया है लेकिन इनके अभी तक विदेश भागने की पुष्टि नहीं हुई है।

इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि अब्दुल मलिक नेपाल के रास्ते बाहर भाग सकता है। इसे देखते हुए एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने चंपावत और बनबसा में पुलिस भेजी है। नेपाल बार्डर पर भी विशेष पहरा दिया जा रहा है। इसे देखते हुए पुलिस ने नेपाल बॉर्डर और सीमा से सटे स्थानों पर अब्दुल मलिक और अब्दुल मोईद के पोस्टर चस्पा किए। साथ ही लोगों से अपील कर रही है कि अगर दोनों कहीं भी दिखते हैं या इनके बारे में किसी अन्य तरह की सूचना हो तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। पुलिस ने नबर भी जारी किए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। जल्द ही पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती है।

एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 25 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 25 हजार रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टीएचडीसी कालोनी निवासी कौथरीन ओलिवर ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सहारनपुर रोड पर स्थित पीएनबी बैंक के एटीएम में पैसे निकालने गया था। लेकिन वहां पर कार्ड काम नहीं कर रहा था तभी वहां पर दो युवक आये और उसकी मदद करने के लिए उसके हाथ से कार्ड लेकर चलाने लगे लेकिन ना चलने पर उन्होंने उसको उसका कार्ड वापस कर दिया। लेकिन कुछ देर बाद उसको बैंक से मैसेज आया कि उसके खाते से 25 हजार रूपये निकल गये हैं। उसने जब बैक पर सम्पर्क किया तो उन्होंने बताया कि पैसे एटीएम कार्ड के माध्यम से निकाले गये हैं। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त युवकों ने उसका कार्ड बदल कर उसके साथ ठगी की है।

गोकशी एवं तस्करी का फरार आरोपी दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौकशी व तस्करी मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शातिर किस्म का बदमाश है जिस पर गौकशी, तस्करी के अलावा गुंडा एक्ट व गैंगस्टर एक्ट में मुकदमें दर्ज है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना भगवानपुर पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सिरचन्दी भगवानपुर स्थित एक घर पर दबिश देकर गौमांस व गोकशी के उपकरण सहित एक महिला आरोपित को पकड़ा था। जबकी 3 आरोपी मौके से फरार हो गये थे। बरामदगी के आधार पर उक्त सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

इस मामले में आज सुबह पुलिस द्वारा छापेमारी कर उक्त मुकदमें में वांछित चल रहे आरोपित शादाब पुत्र इकलाख निवासी सिरचन्दी भगवानपुर को प्राप्त सूचना के आधार पर सिरचन्दी आम के बाग के पास से दबोचा गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

60 हजार की स्मैक सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने लगभग 60 हजार की स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली उत्तरकाशी व एसओजी को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी द्वारा क्षेत्र में एक संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान चुंगी बडेथी के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.77 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

एसपी उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर युवक के विरुद्ध कोतवाली उत्तरकाशी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अमित रावत पुत्र रणवीर सिंह रावत उम्र- 37 वर्ष वार्ड नं. 3 ज्ञानसू उत्तरकाशी का निवासी है। इसके पास से 5.77 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है। पकड़ी गयी स्मैक की कीमत करीब 60,000 रुपये आंकी गयी है।

एक नजर

अपने ही थाने में अरेस्ट हुआ रिश्वतखोर दरोगा

मुरादाबाद। यूपी पुलिस के रिश्व्वतखोर पुलिस इंस्प्पेक्ष्टर को एंटीकरप्शन टीम ने पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी थाना सिविल लाइंस के अगवानपुर चौकी का सहायक इंचार्ज है। इस दरोगा पर आरोप है कि उनसे शस्त्र लाइसेंस पर रिपोर्ट लगाने के नाम पर 20 हजार की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत न देने पर दरोगा, शिकायतकर्ता को प्रताड़ित कर रहा था। दरोगा की प्रताड़ना से तंग आकर शिकायतकर्ता ने एंटीकरप्शन की टीम से शिकायत की थी। इसके बाद एंटीकरप्शन की टीम ने दरोगा को 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एंटीकरप्शन टीम के सीओ मोहम्मद फाजिल सिद्दीकी ने बताया कि हमारे पास एक शिकायत कर्ता निजार खां पुत्र फिदा खां आए थे, जो थाना सिविल लाइंस मुरादाबाद के रहने वाले हैं। इन्होंने शिकायत की थी कि शस्त्र लाइसेंस पर रिपोर्ट लगाने के नाम पर 20 हजार की मांग की गई है। इसमें से 5 हजार रुपए लेकर इनको बुलाया गया था। इधर, जब शिकायतकर्ता निजार ने 5 हजार की पहली किस्त दारोगा को दे रहे थे, ठीक उसी समय हमारी टीम ने उनको गिरफ्तार कर लिया। अब इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को कस्टडी में ले लिया गया है। आगे की कार्रवाई करते हुए आरोपी को रिमांड पर बरेली लेकर जाएंगे उसके बाद इन्वेस्टिगेशन होगी।

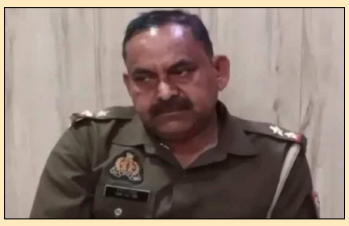

मंदिरों से 10% टैक्स वसूलेगी कर्नाटक सरकार!

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को हिंदू धार्मिक संस्थान और ध र्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक पास कर दिया। इस बिल के तहत सरकार राज्य के उन मंदिरों से आय का 10% वसूल करेगी जिनकी आय 1 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

इस बिल को लेकर बीजेपी ने कर्नाटक सरकार को आड़े हाथों लिया है। बीजेपी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार शहिंदू विरोधी नीतियोंश में शामिल है और इसलिए धन का दुरुपयोग होना तय है।

सरकार के इस कदम पर बीजेपी राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा कि इस बिल के जरिए सरकार अपने खाली खजाने को भरने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि सरकार केवल हिंदू मंदिरों से ही राजस्व क्यों वसूल रही है अन्य धार्मिक अन्य धार्मिक संरचनाओं से क्यों नहीं। विजयेंद्र येदियुरप्पा ने आगे लिखा कि लाखों श्रद्धालुओं के मन में केवल एक ही सवाल है कि केवल हिंदू मंदिरों को ही क्यों निशाना बनाया गया अन्य धार्मिक स्थलों की आय पर क्यों नहीं। वहीं कर्नाटक के परिवहन मंत्री और कांग्रेस नेता रामलिंगा रेड्डी ने बीजेपी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि मंदिरों से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल धार्मिक परिषद उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

एचएच-57 पर चलती स्कॉर्पियो कार बनी आग का गोला

दरभंगा । दरभंगा के मुरिया अदलपुर के बीच एचएच-57 पर चलती स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए स्कॉर्पियो को साइड में लगाया और सभी लोग नीचे उतर गए। देखते ही देखते आग पूरी गाड़ी में लग गई। इस घटना की जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। ड्राइवर ने बताया कि धुआं निकलते देख गाड़ी सड़क किनारे लगाया और तीनों बाहर निकल गए।

मौके पर मौजूद स्थानीय निवासी मोहम्मद अनीस ने बताया कि मुरिया के पास एचएच-57 पर स्कॉर्पियो में आग लग गई थी। गाड़ी में सवार सभी लोग किसी तरह से सुरक्षित बाहर निकल गए थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। स्कॉर्पियो में आग कैसे लगी इसका खुलासा अबतक नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना कि मामले की जांच की जा रही है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सकरी से दरभंगा की तरफ आ रही थी उसी दौरान यह हादसा हुआ। गाड़ी किसकी थी और इस पर कौन सवार था अबतक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि अब तक शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद जांच की जाएगी।

सामाजिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति से हुआ राम मंदिर का निर्माणः त्रिवेन्द्र

संवाददाता

देहरादून। अयोध्या धाम को जाने वाली ट्रेन को हरि झण्डी दिखाकर रवाना करने समय पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि सामाजिक और रानीतिक इच्छाशक्ति से ही राम मंदिर का निर्माण हो पाया है।

आज पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने देहरादून रेलवे स्टेशन पर अयोध्या धाम श्री राम मंदिर दर्शन के लिए जा रहे राम भक्तों का अभिनंदन किया एवं ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व सीएम ने इस मौके पर सभी राम भक्तों को बधाई देते हुए कहा की आप वो सौभाग्यशाली लोग हैं जो राम लला को उनके दिव्य, भव्य स्थान पर देखने जा रहे हैं। उन्होंने कहा की 450 वर्षों तक राजा राम टेंट में रहे पूरे भारत देश ने उस कलंक के टिके को देखा और 1992 में उसे कलंक के टिके को मिटते हुए भी देखा। उन्होंने उन तमाम कार सेवकों को नमन करते हुए उन्हें याद किया जिन्होंने श्री राम मंदिर आंदोलन को बनने को लेकर अपना बलिदान दिया, आज उसका परिणाम हमारे सामने है। पूर्व सीएम ने कहा कि अगर सामाजिक शक्ति और राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होती तो राम मंदिर का निर्माण असंभव था। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वभर के करोड़ों सनातनियों, रामभक्तों का सदियों पुराना सपना साकार किया। पूर्व सीएम ने कहा की राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर है और भावी पीढ़ी अब इस राम पथ को राष्ट्र पथ को ओर ले जाए। आज देश विदेश राममय हुआ है।साऊदी में भी दिव्य भव्य मंदिर इसका जीता जगता उदाहरण है। इस दौरान पूरा रेलवे स्टेशन जय श्री राम के नारों से गूँजता रहा। इस अवसर पर टिहरी सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, विधायक कैंट श्रीमती सविता कपूर, सुनील उनियाल गामा, यात्रा संयोजक सीता राम भट्ट, गोविंद के अलावा राम भक्त एवं बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभिनेत्री सारा खान को भा गई दून की बेकरी

संवाददाता

देहरादून। मशहूर अभिनेत्री सारा खान को भी दून की बेकरी का सामान भा गया। आज यहां मशहूर अभिनेत्री एवं टीवी एक्ट्रेस सारा खान को देहरादून की खूबसूरती और बेकरी भा गई। राजपुर रोड स्थित बेकरी में पहुंची सारा खान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि एक्सप्लोर उत्तराखंड मैगजीन के अवार्ड फंक्शन के लिए देहरादून आई तो उनको उनके परिजनों ने आग्रह किया कि वे देहरादून जा रही है तो बेकरी का सामान जरूर लेकर आए। उनको यकीन नहीं हुआ कि देहरादून की बेकरी मुंबई तक मशहूर है तो वह आज बेकरी पहुंची और उन्होंने उत्सुकता जताई कि आखिर ऐसा क्या है कि देहरादून की बेकरी का सामान मुंबई और न जाने कहां-कहां तक मशहूर है और यहां पहुंचने के बाद उनको यकीन हो गया कि आखिर ऐसा क्या है कि लोग यहां की बेकरी के प्रोडक्ट्स के दीवाने हैं।

कुमाऊं में हेली सेवा शुरू

विशेष संवाददाता

हल्द्वानी। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत आज से उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल में हेली सेवाओं का शुभारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हल्द्वानी से इस सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा कि अब हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुंसियारी और चंपावत की दूरी दूरी नहीं रह जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस हेली सेवा के शुरू होने से राज्य में आने वाले पर्यटकों को बड़ी सुविधा होगी तथा इसका लाभ स्थानीय लोगों को भी मिलेगा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। इसके साथ ही आपात स्थिति में इन सेवाओं का फायदा स्थानीय लोगों को मिल सकेगा इससे आर्थिकी और सामाजिक स्तर पर लाभ होगा। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

उन्होंने कहा कि इस हवाई उड़ान के शुरू होने से पर्यटन को भी फायदा

❑प्रधानमंत्री मोदी व उड्डयन मंत्री सिंधिया का जताया आभार

❑हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुंसियारी व चंपावत अब दूर नहीं

पहुंचेगा। इस सेवा को शुरू किए जाने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आभार व्यक्त किया है इस सेवा का नियमित संचालन सुबह 7:45 बजे शुरू होगा जो 4:30 बजे तक होगा तथा इसका किराया भी 2500 से 3500 रुपए प्रति यात्री रखा गया है। जो आम आदमी के लिए भी अधिक नहीं है। इस सेवा के लिए ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी।

गढ़वाल में भी हेली सेवा की मांग

देहरादून। कुमाऊ मंडल में आज से शुरू की हुई हेली सेवा के बाद अब गढ़वाल मंडल में भी इस सेवा को शुरू करने की मांग उठ रही है। चमोली से इस सेवा को शुरू करने की मांग करने वाले स्थानीय लोगों का कहना है कि फूलों की घाटी और हेमकुंड साहिब व औली के अलावा बद्रीनाथ आने वाले यात्रियों की समस्याओं के मद्देनजर यह सेवा गढ़वाल में भी शुरू की जानी चाहिए। काबीना मंत्री धन सिंह रावत का कहना है कि इसके लिए गोचर हवाई पट्टी का विस्तारीकरण किया जाएगा वह केंद्र से जल्द गढ़वाल मंडल में भी हेली सेवा शुरू करने का अनुरोध करेंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।